B.A. HONS. VEDALANKAR **Semester Exam 2021**

5TH Semester

कोड- HVL-C502

प्रश्न-पत्र का नाम- निरुक्त

समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-70**

नोट- प्रश्न-पत्र दो खण्डों ए एवं बी में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड 'ए'
(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

प्रश्न 1 **'अथापि ज्ञानप्रशंसा भवत्यज्ञाननिंदा च' – की व्याख्या करो।**

प्रश्न 2 **निघण्टु-कोश क्यों बना समझाईए।**

प्रश्न 3 **निरुक्त के टीकाकारों पर टिप्पणी लिखो।**

प्रश्न 4 **उपमार्थक निपातों का वर्णन करो।**

प्रश्न 5 **षड्भावविकार क्या है? वर्णन करो।**

प्रश्न 6 **शब्द नित्य है अथवा अनित्य, निरुक्त के आधार पर स्पष्ट करो।**

प्रश्न 7 **निघण्टु पद का निर्वचन पूर्वक वर्णन करो।**

प्रश्न 8 **क्रमोपसंग्रहार्थक निपातों का वर्णन करो।**

प्रश्न 9 **किन्हीं दस उपसर्गो का अर्थपूर्वक वर्णन करो।**

प्रश्न 10 **निरुक्तशास्त्र के पढने के अधिकारी कौन है।**

खण्ड 'बी'
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट- किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है

प्रश्न 11 **निरुक्तशास्त्र वेद का अंग है यह बताते हुए निरुक्त शास्त्र के साहित्य का वर्णन करें।**

प्रश्न 12 **वेदांग के रूप मे निरुक्त शास्त्र का वर्णन कीजिये।**

प्रश्न 13 **निरुक्तशास्त्र पठित उपसर्गो का वर्णन करें।**

प्रश्न 14 **निरुक्तशास्त्र पठित निपातों का वर्णन करें।**

प्रश्न 15 **'सब नाम आख्यातज नही हैं' – ऐसा गार्ग्य आचार्य का मत है, अतः गार्ग्य मत की स्थापना करो।**

प्रश्न 16 **'सब नाम आख्यातज है'- ऐसा वैयाकरण शाकटायन व निरुक्तकारों का सिद्धान्त है। अतः गार्ग्य मत का विस्तार से खण्डन करो।**

प्रश्न 17 **निरुक्तशास्त्र के प्रयोजनों का वर्णन करो।**

प्रश्न 18 **'अनर्थका हि मन्त्राः' इस कौस्त मत का विश्लेषण करो।**